विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 20, वर्ष 6, अंक 73-74 माह - जनवरी-फरवरी, 2025, मूल्य : नि:शुल्क

स्वदेशी मेला

22 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 तक

आगड़ दम-बागड़ दम
कविता शर्मा की प्रस्तुति

गौरा सांची बताओ ...
अंकित पांडे की प्रस्तुति

स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए
हरबोला ब्रदर्स की प्रस्तुति

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ संघेलिया
अध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

सनेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

शफीक खान
मार्गदर्शक

अर्चना संघेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

- सक्सेस स्टोरी -

स्वदेशी मेला के अंतर्गत आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ रहीं उद्यमी की कहानी

हमें यह मालूम ही नहीं था कि व्यवसाय चलेगा या नहीं, बस हमने तो शुरू किया : मालती पटेल

स्वदेशी मेले में आयूष एवं आयूषी बरी, पापड़ की स्टॉल लगाए हुए।

अगर सही समय पर सही निर्णय नहीं लिया जाए, तो जीवन भर पछताना पड़ सकता है। जब भी कोई अच्छा अवसर मिले, उसे पहचानो और तुरंत कार्य करो, समय किसी का इंतजार नहीं करता। जो लोग सही समय पर सही निर्णय लेते हैं, वही आगे बढ़ते हैं। जीवन में अवसर कब दस्तक देंगे, यह कोई नहीं जानता, लेकिन जब वे आते हैं, तो सही निर्णय लेना ही सफलता की असली कुंजी होती है। इसलिए हम आपको हर माह लाते है ऐसे ही रोचक किस्से जो पाठकों को बनते है प्रेरणा के स्रोत, तो आइये इस माह मिलिए मालती पटेल से जिन्होंने अपनी सूझ-बूझ से शुरू किया अपना व्यवसाय। मालती पटेल छोटे से गांव सेमरा से है, पिता खेती का काम करते हैं। पांच बहनें, दो भाईयों के बीच पली-बढ़ी। मालती कहती है कि हम सभी स्कूल गए, सभी भाई - बहन कम ही पढ़ पाए। मैंने कक्षा छठवीं तक पढ़ाई की। मम्मी पापा के साथ खेती करती थी। मेरी शादी 2008 में हुई, दो बच्चे हैं। लड़का आयुष दसवीं कक्षा में पढ़ता है। लड़की आयुषी कक्षा आठवीं में पढ़ती हैं। मालती के जीवन साथी सुरेश पटेल अपनी यादें साझा करते हुए कहते हैं कि हम चंद्रशेखर वार्ड में रहते है, हम छः भाई थे। बचपन थोड़ा कष्ट में गुजरा, कक्षा 5वीं तक पढ़ाई कर पाये, बड़े भाई 10वीं तक पढ़ पाये, मझले भाई 8वीं तक पढ़ पाए। इसी बीच शादी हो गई। शादी के पहले कोई चिंता ही नहीं रहती थी, क्या कमाना, नहीं कमाना कोई चिंता ही नहीं रहती थी। खेलते थे, घूमते थे उसके बाद शादी हुई, जिम्मेदारी बड़ी तो पहले सब्जी का धंधा किया, उसी में बच्चों की परवरिश कर पढ़ाया-लिखाया।

- **आपने पापड़ बनाने का व्यवसाय क्यों चुना?**

सुरेश कहते है कि सब्जी का व्यापार तो चला ही रहे थे लेकिन जब व्यापार अच्छे से नहीं चला तो हमने पापड़ बनाकर बेचने का सोचा। मालती की सूझ-बूझ से बरी, पापड़ के व्यवसाय की शुरुआत की। यह व्यवसाय हमने इसलिए चुना क्योंकि हमने गांव में शुद्ध पापड़ बनाने का काम सीखा और हमें विश्वास था कि हम सबसे अच्छा पापड़, बरी बना सकते हैं।

- **आपके बरी, पापड़ की क्या विशेषताएं है?**

मालती कहती हैं कि हमारा पापड़ सबसे अच्छा है, हम पापड़ हाथ से बनाते है। हम सबसे अच्छा मसाला डालते है, पापड़ या हमारे किसी भी उत्पाद में किसी भी प्रकार का केमिकल नहीं है, जो भी हमारा पापड़ खाता है वह कहता है कि हमने ऐसा पापड़ कहीं नहीं खाया। अच्छी दाल का उपयोग करते हैं, देशी मशालें का उपयोग करते है, जैसे काली मिर्ची, जीरे, हींग सौंफ आदि। हम अलग-अलग वैरायटी के पापड़ बनाते है जैसे लहसुन पापड़, अजवाइन पापड़, आपको जो भी पापड़ पसंद आये वह पापड़ खाइये। हरे और सूखे लहसुन का पापड़ भी मिलेगा। लोंग, सौंफ, काली मिर्ची, लाल मिर्ची, हरी मिर्ची हमारे पापड़ में इन सभी का स्वाद मिलेगा। पापड़ में अच्छी वाली दाल का उपयोग करते हैं। दो सौ रुपए में एक किलो पापड़ कोई भी वैरायटी का ले लो आप।

- **आपको परिवार का कितना सहयोग मिला, व्यवसाय में क्या कठिनाइयां आप महसूस कर रहे हैं?**

मालती कहती है पति से बहुत साथ मिला। हमारी चर्चा हुई और पापड़ का काम शुरू किया, दोनों बच्चें पढ़ाई के साथ - साथ पापड़ बनाने में मदद करते है। हमें यह मालूम ही नहीं था कि चलेगा या नहीं, बस हमने तो यह व्यवसाय शुरू किया। परिवार के सहयोग के बिना तो यह सम्भव ही नहीं था। सबसे बड़ी समस्या मार्केट की थी, यह एक बड़ी समस्या है, महीने की एक से दो क्विंटल दाल गल पाती है। 100 किलो पापड़ पर 2000 रूपये बच जाते है।

- **स्वदेशी मेला से आपके व्यवसाय को कितनी सफलता मिली?**

स्वदेशी मेला में हमारा बहुत अच्छा अनुभव रहा। 12 दिन में 50 हजार रूपये के पापड़ बेंचे। मेले के बाद हमारे ग्राहक बड़े, मेले में हमारे सम्पर्क बने जिसके कारण आज भी ग्राहक हमसे जुड़ें हुए है। वह आते है पापड़, बरी खरीद कर ले जाते है। इस तरह के मेले आयोजित होने चाहिए जिससे छोटे रूप में काम करने वाले लोगों को अवसर मिल सके।

- **आज के युवाओं के लिए आपके क्या विचार है?**

युवाओं को मेरी सलाह है कि पहले से ही अपने आप को इतना तैयार करके चलें कि वह ऐसी स्थिति में न आ पाए कि उनके पास रास्ते न बचें, स्वयं में हुनर विकसित करें और आगे बढ़े।

स्वदेशी मेला

शहर में दूसरी बार स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के माध्यम से मेले का आयोजन हुआ

ऐसे आयोजन से लोकल उत्पादों के देश में ही नहीं विदेश में भी नए मार्केट बन सकते हैं : कपिल मलैया

स्वदेशी मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान 21 ऋषियों का सम्मान हुआ।

शहर में दूसरी बार स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु 22 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 पीटीसी ग्राउंड में स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया जिसमें 200 से अधिक स्वदेशी स्टाल लगाए गए। मेले में प्रत्येक दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए साथ ही विशेष रूप से स्वावलंबी गांव का निर्माण किया गया। मेला के समापन पर सहयोगियों का सम्मान किया गया एवं गायन, कविता पाठ का बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम, देशभक्ति गीत की प्रस्तुति हुई।

स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत समन्वयक और मेला संयोजक, समाजसेवी कपिल मलैया ने कहा कि स्वदेशी मेला के माध्यम से लोगों के अंदर स्वदेशी और देशभक्ति की भावना जागृत होती है जिसके कारण कुटीर उद्योगों का व्यापार बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा कि मेला जैसे आयोजन के जरिए लोकल उत्पादों जैसे ज्वेलरी, आयुर्वेद, कपड़े, आचार, पापड़, मसाले, कलाकृतियां आदि की देश में ही नहीं विदेश में भी नए मार्केट बन सकते हैं जिससे भारत की अर्थव्यवस्था के साथ ही इससे जुड़े महिला स्व-सहायता समूहों और छोटे उद्यमियों की आमदनी बढ़ेगी। मेले की अपार सफलता पर उन्होंने समस्त अतिथियों और शहरवासियों का आभार माना।

मेला पालक अनिल अवस्थी ने बताया कि मेले में सागर जिले के स्थानीय कारीगरों को विशेष रूप से बढ़ावा दिया गया। मिट्टी से बनी मूर्तियां, लकड़ी के खिलौने और पारंपरिक कपड़ों के स्टॉल पर लोगों की भीड़ देखी गई। साथ ही युवा उद्यमियों ने भी अपने स्टार्टअप और स्वदेशी उत्पादों को प्रदर्शित किया।

स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, मेला सह संयोजक सौरभ रांधेलिया, रिशांक तिवारी, करण श्रीवास्तव,

कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, नगर विधायक शैलेंद्र जैन, प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने दीप प्रज्ज्वलन कर स्वदेशी मेले का शुभारंभ किया।

नितिन सोनी ने कहा कि स्वदेशी मेला जैसे आयोजन न केवल भारत की समृद्ध संस्कृति को जीवित रखते हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे न केवल स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि समाज को भी स्वदेशी उत्पाद अपनाने की प्रेरणा मिलती है। मेला सांस्कृतिक प्रभारी नितिन पटैरिया एवं मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि स्वदेशी मेला ने न केवल ग्रामीण कारीगरों और उद्योगों को अपनी कला व कौशल प्रदर्शित करने का मौका दिया, बल्कि इसे देखने आए हजारों लोगों को भी भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की झलक दिखाई दी।

साध्वी बालिका सरस्वती एवं कविता शर्मा की प्रस्तुति

रविवार को शहर में दूसरी बार स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के माध्यम से 11 दिवसीय स्वदेशी मेला का शुभारंभ 21 पंडितों द्वारा पूजा अर्चना कर किया गया। इसके पश्चात मेला प्रांगण में बुंदेली स्टार कविता शर्मा के आगड़ दम-बागड़ दम बुंदेली लोकगीत की भव्य प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे एवं भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ मध्यक्षेत्र अशोक अग्रवाल ने की एवं मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विशिष्ट अतिथि विधायक शैलेन्द्र जैन, महापौर संगीता सुशील तिवारी, गौरव सिरोठिया एवं वृंदावन अहिरवार थे। इसके अलावा मेला प्रांगण में मशहूर कथावाचक, ओजस्वी वक्ता और सनातन धर्म की प्रचारक साध्वी बालिका सरस्वती ने सनातन धर्म पर अपने विचार रखे।

कविता शर्मा ने बुंदेली लोकगीतों की प्रस्तुति दी।

सनातन धर्म प्रचारक साध्वी बालिका सरस्वती

नि:शुल्क नेत्र शिविर, परिधान प्रतियोगिता का आयोजन 11 ऋषियों की प्रस्तुति, भक्तामर पाठ का आयोजन

सुनीता पड़वार, श्रीमती प्रतीक्षा श्रीमती सरिता जैन, श्रीमती मुक्ता श्रीमती सुलेखा जैन श्रीमती माया जायसवाल एवं वैष्णवी, श्रीमती रीना जैन माया दिवाकर, अतिशय एवं ओजस पडेले, श्रीमती रिच, सुनील डॉ प्रज्ञा जैन, मां बेटी की जोड़ी सेजल गुप्ता एवं नेहल गुप्ता, ज्योति प्रीती, रचना आरोही, गोरी का गोल्डी आदि। इस कार्यक्रम के निर्णायक अंजना पाठक एवं दीप्ती चन्देरियाँ रहीं । जिसमें प्रथम स्थान पर प्रतीक्षा जैन, सरिता जैन, द्वितीय स्थान पर मुक्ता जैन, सुलेखा जैन, तृतीय स्थान पर डॉ. प्रज्ञा, सरिता, हिमांशी जैन, सुनीता पड़वार, चतुर्थ स्थान पर ओजस्व पड़ेले, आदित्य पड़ेले रहे। मेला प्रांगण में छात्रों द्वारा 11 ऋषियों की प्रस्तुति, अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिन एवं डॉ हरिसिंह गौर की पुण्यतिथि पर संगीतकार सुश्री अहिंसा जैन द्वारा भक्तामर पाठ किया गया।

मेला प्रांगण में स्वावलंबी सम्मलेन एवं जोड़ी कमाल की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विचार समिति के सभी सहायक और समन्वयकों का सम्मान किया गया और साथ में अखिल भारतवर्षीय महिला परिषद द्वारा जोड़ी कमाल की शिक्षाप्रद प्रस्तुतियां की गई। जिसमे परिषद की समस्त पदाधिकारी गण एवं सदस्यगण उपस्थित रहे । कार्यक्रम की सयोंजिका मंजू मगन रही। जोड़ी कमाल की प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार हैं श्रीमती रिचा शाह नीना साह, श्रीमती रिचा एवं रीना बालक कांप्लेक्स, श्रीमती हिमांशी मगरधा एवं

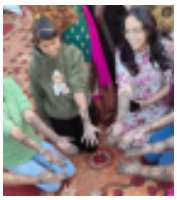

भक्तामर पाठ में शहर की 52 सामाजिक संस्थाएं ने एक-एक काव्य पर आचार्यश्री की छायाप्रति के समक्ष दीप जलाया इसके अलावा वेशभूषा परिधान प्रतियोगिता, पंजाबी समाज ने लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुति दी।

भक्तामर पाठ कार्यक्रम का संयोजन दीप्ति चन्देरिया एवं सुनीता अरिहंत ने एवं संचालन एड रश्मि ऋतु जैन, रश्मि सबलोक, अलोक जैन ने किया।

135 कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, बुंदेली लोक गायक ऋषि विश्वकर्मा की प्रस्तुति एवं व्यंजन, कबड्डी, हस्तकला प्रतियोगिता हुई

मेला प्रांगण में सरस्वती वंदना के बाद राजस्थान का घूमर नृत्य, कालबेलिया, चकरी नृत्य, उत्तरप्रदेश के कलाकारों द्वारा मयूर नृत्य, छिंदवाड़ा का गेड़ी नृत्य, सेल्जा नृत्य, गौंडी नृत्य, छत्तीसगढ़ से कर्मा शैला, कर्मा नृत्य, गुजरात के कलाकारों द्वारा राठवी नृत्य, सिद्ध गोमा नृत्य, हरियाणा का फाग नृत्य एवं पद्मश्री विभूषित रामसहाय पांडे, संतोष पांडे द्वारा बुंदेलखंड की राई, सागर के कलाकारों द्वारा सैरा नृत्य की रंगारंग प्रस्तुती विभिन्न राज्यों से आये 135 कलाकारों द्वारा दी गई। इसके अलावा कबड्डी प्रतियोगिता, हस्तकला प्रतियोगिता, बुंदेली लोक गायक ऋषि विश्वकर्मा ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

उत्तरप्रदेश के कलाकारों द्वारा मयूर नृत्य की प्रस्तुति।

वेशभूषा प्रतियोगिता में बिखरी देश की सांस्कृतिक छठा

पीटीसी ग्राउंड सागर में आयोजित स्वदेशी मेला के तृतीय दिवस आयोजित वेशभूषा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतियोगियों ने भारत देश की संस्कृति साहित्य और देश प्रेम की थीम पर प्रदर्शन करते हुए ज्योतिबा फुले, भारत माता, सुभद्रा कुमारी चौहान,वीर जवान, सीता आदि के भेष में बड़ी संख्या में भाग लेकर भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन किया जिसमें प्रथम वर्ग में कु अमिस्ता जैन प्रथम,अथर्व गंगवाल द्वितीय,कु अनु राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, इसी तरह द्वितीय वर्ग में सुनीता पड़वार प्रथम, अंजू सेठ द्वितीय और अर्चना जैन तीसरे स्थान पर रही. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री कमलेंद्र जैन राष्ट्रीय मंत्री जैन मिलन, अध्यक्षता श्री कपिल मलैया, विशिष्ट अतिथि श्री आशीष अग्रवाल, डायरेक्टर अग्रवाल क्लासेस मंजू मगन प्रांतीय सचिव जैनमहिला परिषद, अर्चना अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष इनर व्हील क्लब सागर... वर्मा- जिला संयोजक स्वालंबन भारत उपस्थित रहे, सभी प्रतियोगियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए एवं विजेताओं को पुरस्कार 1 दिसंबर को वितरित किए जाएंगे.. कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती सुनीता अरिहंत ने.और संचालन एडवोकेट रश्मि रितु जैन ने किया।

प्रांतीय सम्मेलन एवं स्वदेशी जागरण मंच की बहनों का मेले में समागम

मेला प्रांगण में रहली के वैद्य सर द्वारा बच्चों के नृत्य की प्रस्तुति, हरबोला बंधुओ ने अपने गायन के माध्यम से स्वदेशी अपनाने, पास के दुकानदारों को बढ़ावा देने तथा गरीब मजदूर भाईयों को आगे लाने की बात कही हैं। अपनी इस कला के माध्यम से भारत में हरबोला ब्रदर्स ने एक अनोखी पहचान बनाई हैं। हरबोला गायन विलुप्ति की कगार पर था, गायक अंकित पाटीदार, अंकित शर्मा ने इस परम्परा को फिर से जीवित किया है। विषय कोई क्यूं ना हो, इनका हरबोला गायन एक अलग छाप छोड़ता जा रहा हैं।

हरबोला बंधुओं ने अपने गायन के माध्यम से स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया।

राधा रमण मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति।

मेला प्रांगण में पतंग चित्रकला प्रतियोगिता, तंबोला प्रतियोगिता, अर्पित तिवारी की टीम द्वारा आर्केस्ट्रा, मुकेश चक्रवर्ती द्वारा प्रसिद्ध कलाकारों की मिमिक्री, बच्चों द्वारा गायन, डांस, कविता का आयोजन हुआ एवं सुप्रसिद्ध बुंदेली युवा लोकगायक अंकित पांडे द्वारा गौरा सांची बताओ... बुंदेली भजन की प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे।

मेले में सोमवार को राधा रमण मंडली द्वारा भजन, आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा सत्संग, रामू विश्वकर्मा की टीम द्वारा लोक गायन, फीनेक्स बैंड द्वारा आर्केस्ट्रा एवं मेंहदी और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेंहदी और रंगोली प्रतियोगिता की निर्णायक स्वदेशी जागरण मंच से निधि खाद, कलाभवन की संचालिका स्वाति हलवे, संयोजक सुष्मिता ठाकुर, सुनीता अरिहंत और सौरभ रांधेलिया रहे।

युवा लोकगायक अंकित पांडे एवं टीम द्वारा गौरा सांची बताओ की प्रस्तुति।

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विचार समिति कार्यालय में संपन्न हुआ

प्रथम चित्र में कार्यशाला में भाग लेने वाली महिलाये, दूसरे चित्र में क्वेस्ट एलायंस कार्यक्रम प्रमुख प्रांजल मिश्रा व्यवसाय के गुण सिखाते हुये।

महिला स्वरोजगार को स्थापित करने एवं बढ़ावा देने के लिए विचार समिति कार्यालय में क्वेस्ट एलायंस के माध्यम से कार्यशाला का दो दिवसीय आयोजन किया गया। शुरुआत उत्साह भरे स्वागत एवं परिचय सत्र के साथ हुई। प्रतिभागियों का पुनः परिचय कराया गया तथा पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम में उनका आधिकारिक रूप से स्वागत किया गया। पंजीकरण एवं प्रशिक्षण-पूर्व सर्वेक्षण पूजा प्रजापति ने प्रतिभागियों के पंजीकरण का प्रबंधन किया, जबकि रोशनी सोनी ने प्रतिभागियों की वर्तमान मानसिकता एवं अपेक्षाओं का आकलन करने के लिए प्रशिक्षण-पूर्व सर्वेक्षण किया। प्रतिभागियों को अपने व्यवसाय, आय, चुनौतियों तथा उनमें आए बदलावों के बारे में अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। चर्चाओं में उनके व्यवसायिक व्यवहारों के विकास तथा उनके उद्यमों को चलाने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई।

सत्र-1: 5M तकनीक एवं मार्केट स्कैन के साथ विचार चुनना तथा व्यवसायिक विचारों की सूची साझा करना, प्रांजल मिश्रा के नेतृत्व में इस प्रशिक्षण में आयोजित इस सत्र में प्रतिभागियों को दैनिक आवश्यकताओं के आधार पर व्यवसायिक विचारों के चयन के लिए 5M तकनीक से परिचित कराया गया। प्रतिभागियों में रचनात्मकता एवं नवाचार को प्रेरित करने के लिए संभावित व्यवसायिक विचारों की एक व्यापक सूची भी साझा की गई। **सत्र-2:** विपणन रणनीतियाँ और बिक्री प्रांजल मिश्रा ने 4P मार्केटिंग मिक्स पर विस्तार से बताया, जिसमें शामिल हैं:

उत्पाद: गुणवत्ता, विशेषताओं, ब्रांडिंग और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्राहकों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई वस्तुएँ या सेवाएँ।

मूल्य: मूल्य निर्धारण रणनीतियाँ जो उत्पाद के मूल्य को दर्शाती हैं और बाज़ार की अपेक्षाओं के साथ संरेखित होती हैं।

स्थान: सही जगह और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने वाले प्रभावी वितरण चैनल।

प्रचार: ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विज्ञापन, सोशल मीडिया और प्रत्यक्ष विपणन जैसी रणनीतियाँ।

गतिविधि: प्रतिभागियों को तीन समूहों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक को एक उत्पाद सौंपा गया था

समूह 1: गाय के गोबर के दीये
समूह 2: गाय के गोबर के दीयों के बड़े पैकेट
समूह 3: गाय के गोबर की अगरबत्ती

समूहों ने स्थानीय बाज़ार में बिक्री गतिविधि आयोजित की, ग्राहकों के साथ बातचीत की और 40 मिनट के भीतर अपने उत्पाद बेचे। वापस लौटने पर, प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए, गतिविधि के दौरान प्राप्त चुनौतियों और अंतर्दृष्टि पर चर्चा की।

पहले दिन का समापन सभी उपस्थित लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और सक्रिय भागीदारी के साथ हुआ।

दिन-2 चेतना गीत और चिंतन

दूसरे दिन की शुरुआत रोशनी सोनी द्वारा एक प्रेरक गीत, "चेतना गीत" प्रस्तुत करने से हुई। इसके बाद पहले दिन की समीक्षा की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी मुख्य सीख और चिंतन साझा किए।

कहानी सुनाने का सत्र -

विचार समिति की सुनीता जैन ने अपनी प्रेरक व्यक्तिगत और पेशेवर यात्रा साझा की। उन्होंने अपने सामने आने वाली चुनौतियों, व्यवसाय में अपने परिवर्तन और स्वदेशी मेले में अपने अनुभवों के बारे में विस्तार से बताया। उनकी कहानी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी।

सत्र:1 इकाई लागत निर्धारण- रोशनी सोनी और प्रांजल मिश्रा द्वारा संचालित इस सत्र में इकाई लागत निर्धारण पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवधारणा को "धूपबत्ती व्यापार योजना" उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट किया गया, जिससे प्रतिभागियों को अपने-अपने व्यवसायों में लागत, गणना और लाभ मार्जिन को समझने में मदद मिली।

सत्र:2 रिकॉर्ड रखना

प्रांजल मिश्रा ने प्रतिभागियों को सटीक वित्तीय रिकॉर्ड बनाए रखने के महत्व के बारे में बताया। प्रतिभागियों को दैनिक आय, व्यय और लाभ को व्यवस्थित रूप से ट्रैक करने में मदद करने के लिए एक टेम्पलेट प्रदान किया गया।

सत्र: 3 व्यवसाय योजना

व्यवसाय योजना सत्र में, प्रांजल मिश्रा ने 5M फ्रेमवर्क से परिचित कराया गया:

- मेरी पूंजी
- मेरी रुचि
- मेरा समय
- बाजार की मांग
- मेरे कौशल

बाजार की मांग, ग्राहक क्षमता, स्थान चयन, प्रचार रणनीतियों, लागत गणना और छह महीने की व्यवसाय योजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

सर्वेक्षण के बाद और प्रशिक्षण प्रतिक्रिया रोशनी सोनी ने प्रशिक्षण के बाद के फॉर्म और प्रशिक्षण प्रतिक्रिया फॉर्म को पूरा करने में सहायता की। प्रतिभागियों ने सत्रों के प्रति अपनी संतुष्टि व्यक्त की और अपने व्यवसायों में सीख को लागू करने के लिए अपने उत्साह को साझा किया। इस स्वरोजगार प्रशिक्षण में प्रभा साहू, लता शर्मा, अनीता चौधरी, साधना यादव, संध्या राय, गीता साहू, रजनी पटेल, सुषमा साहू, स्वाति साहू, दीप्ती कुशवाहा, नीलम अहिरवार, सविता, रेखा पटेल, रेखा शर्मा, यशोदा मेहरा, नीलू सागर, सपना गौंड, ममता अहिरवार, संगीता पटेल, अंजू पटेल, नीलू पटेल, बैजंती पटेल, रौशनी गौंड आदि उपस्थित रही।

विचार समिति ने 76 वें गणतंत्र दिवस पर 501 स्थानों पर किया झंडावंदन

समिति पिछले सात वर्षों से मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों में लगातार करती आ रही है झंडावंदन : कपिल मलैया

समिति प्रांगण में अध्यक्ष कपिल मलैया छात्र-छात्राओं के लिए 26 जनवरी के ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी देते हुए।

विचार समिति ने 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विचार मोहल्ला विकास योजना से जुड़ें परिवारों में 501 स्थानों पर झंडावंदन किया। समिति घर-घर झंडावंदन की थीम पर पिछले सात वर्षों से यह आयोजन करती आ रही है।

विचार समिति कार्यालय में प्रीति मलैया एवं समिति सदस्यों ने झंडावंदन किया। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने मोहल्ला विकास योजना टीम भगवानगंज में झंडावंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को भारत गणतंत्र देश घोषित हुआ था। एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान के छात्रों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि आज युवाओं को शिक्षा के साथ उद्यम, व्यापार के बारे में भी विचार करना चाहिए। आज हम गणतंत्र दिवस पर सभी संकल्प लें कि हम अपने आस - पास के युवाओं को आर्थिक जागरूकता के बारे में जागरूक करेंगे।

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि कटरा बाजार स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार पर अखिल भारतवर्षीय समस्त महिला परिषद द्वारा तिरंगा की आकृति बनाकर प्रांतीय अध्यक्ष डा. आशा गोदरे ने झंडावंदन किया। सेमरा बाग मोहल्ला विकास टीम समन्वयक मीना पटेल के नेतृत्व में टीम पालक विनय मलैया ने झंडावंदन किया। उन्होंने गणतंत्र दिवस के बारे में ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी, साथ ही शिक्षा के प्रति जागरूक किया। भूतेश्वर मोहल्ला विकास टीम समन्वयक सरिता गुरु के नेतृत्व में टीम पालक नितिन पटैरिया ने सहपरिवार झंडावंदन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले बच्चों को गोमय माला, शील्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय सचिव मंजू मगन, सुगंधी, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, आशा सेठ, नूतन नाहर अन्य पदाधिकारी उपस्थित थीं।

76वें झंडावंदन की झलकियां

प्रभा साहू, भगवानगंज

सरिता गुरु, भूतेश्वर

अखिल भारत वर्षीय महिला परिषद

मीना पटेल, सेमराबाग़

मनोरमा गौर, परकोटा

विनीता केशरवानी, सदर

सरिता गुरु, भूतेश्वर

मनीष जैन (विद्यार्थी), मकरोनिया

मंजू सतवैया

हेमलता यादव

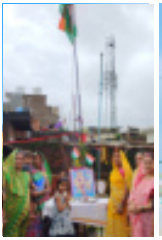
अंजना पटेल, राजीवनगर

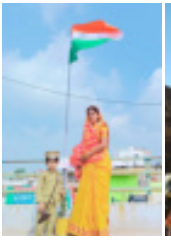
संजय सवाई, कटरा

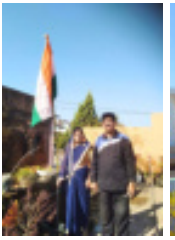
नीलू सागर, तिलकगंज

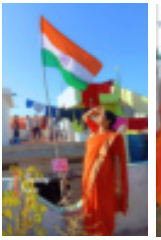
जानकी पटेल, तिल.

पूजा मिश्रा, गुरुगोविन्द वार्ड

प्रीति केशरवानी,तीन मढिया

नंदकिशोर विश्वकर्मा

ममता अहिरवार, तुलसीनगर

दीप्ति पटेल, 26 नं गेट

नीता केसरवानी, सब्जी मंडी

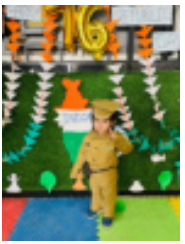
सोनम डबडेरा

रामकुमार, राहतगढ़

अनुराग विश्वकर्मा

डॉ. लखन पटेल मकरो.

आलोक जैन जी

सरिता जैन

मोहित सनकल, ललिता धाम परिसर

हिमांशी जैन, जनता स्कूल

सतेन्द्र जैन वीरू, अभिनव बाटिका

पवन पटेल

भारतीय लोकतंत्र, स्वतंत्रता और समानता के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है गणतंत्र दिवस

अतिथि मोहन पवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल मनोशिया मे 76 वें गणतंत्र दिवस पर सरस्वती माँ एवं भारत माता के पूजन के साथ अतिथि कुंदन लाल रिछारिया एवं मोहन पवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। अतिथि कुंदन लाल रिछारिया ने कहा कि यह हमें अपने देश के बारे में सोचने का दिन है। यह हमें अपने कर्तव्यों को याद करने का दिन है। हमें अपने अधिकारों का भी ध्यान रखना चाहिए। हमें अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। हमें एक अच्छे नागरिक बनना चाहिए। हमें अपने देश पर गर्व होना चाहिए।

शिक्षिका खुशबू चड़ार बच्चों के साथ।

विद्यालय शिक्षिका खुशबू चड़ार ने मंच संचालन करते हुए सभी स्वागत किया गया। प्राचार्य साक्षी दांगी ने गणतंत्र दिवस की बच्चों को शुभकामनाएं दी इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस दिन हर भारतीय अपने देश के लिए प्राण देने वाले अमर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

इस दिन 1950 में भारतीय संविधान लागू हुआ था, जिससे भारत एक संप्रभु गणराज्य बना. यह दिन भारतीय लोकतंत्र, स्वतंत्रता, और समानता के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है यह दिन भारतीय नागरिकों के अधिकारों, स्वतंत्रता और समानता का प्रतीक है।

बच्चों ने देशभक्तिमय रंगारंग नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुतियाँ दी। बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम मे सम्मिलित विद्यालय शिक्षिका रागनी राय, अभिभावक शिवशंकर कुशवाहा ,वीरू चढ़ार, महेंद्र विश्वकर्मा, सलमानखान, सत्यवीर चढ़ार आदि उपस्थित रहे।

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेले का हुआ भूमिपूजन

शहर में दूसरी बार स्वदेशी मेला का आयोजन स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में ... फाउंडेशन के माध्यम से हो रहा है। मेला 22 दिसंबर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक पीटीसी ग्राउंड में लगेगा। मेले का भूमिपूजन मंगलवार को किया गया।

बुंदेली गायिका कविता द्वारा आगड़ दम-बागड़ दम की प्रस्तुति से स्वदेशी मेले का शुभारंभ, झूले व दुकानें सजीं

स्वदेशी मेला का पीटीसी ग्राउंड में हुआ भव्य शुभारंभ, बुंदेली लोक गायिका कविता शर्मा की प्रस्तुति आगड़ दम-बागड़ दम पर झूमे दर्शक

एक हाथ में माला व एक हाथ में भाला लेकर हिंदू संगठित हों: साध्वी सरस्वती

मेले में भजन संध्या, भंडारा का आयोजन हुआ, जनता की मांग पर मेला एक दिन और बढ़ा

मेला का उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं के प्रति जागरूक करना है: मलैया

भजन संध्या के पूर्व मेले में सभी प्रतिभागियों का हुआ सम्मान

राजस्थान का घूमर नृत्य, उप्र का मयूर नृत्य एवं हरियाणा के फाग नृत्य ने लोगों को लुभाया

राजस्थान के घूमर एवं हरियाणा के फाग नृत्य ने लोगों को लुभाया

मीडिया कवरेज

स्वदेशी मेला में बच्चों के नृत्य, मोटिवेशन और गायन की प्रस्तुति

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संकल्प लेकर लोगों ने मेले की सार्थकता साबित की: रिशांक

मेले में 11 कवियों की प्रस्तुति, स्वावलंबन पाठ, वेशभूषा परिधान प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

स्वदेशी मेला में सजावटी सामान लोगों की खास पसंद बना पंजाबी लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुती ने बांधा समां

स्वदेशी स्वावलंबन से बनेगा पूर्ण रोजगार युक्त प्रदेश एवं समृद्ध भारत : सुधीर दांगे

बुंदेली लोक गायक अंकित पांडे की प्रस्तुति: गौरा सांची बताओ भजन पर गूंज उठा स्वदेशी मेला, लोगों ने बुंदेली व्यंजन का लिया आनंद

स्वदेशी मेला में 200-250 रुपए में मिल रही है सुविधाजनक जूते और गर्म कपड़े

11 दिवसीय स्वदेशी मेला प्रांगण में बच्चों के नृत्य मोटीवेशन और गायन की प्रस्तुति हुई: रिशांक

स्वदेशी मेला में निःशुल्क नेत्र शिविर में 221 मरीजों की जांच हुई

स्वदेशी मेला प्रांगण में बच्चों के नृत्य मोटीवेशन और गायन की प्रस्तुति हुई

स्वदेशी मेला का पीटीसी ग्राउंड में हुआ भव्य शुभारंभ, बुंदेली लोक गायिका कविता शर्मा की प्रस्तुति आगड़ दम-बागड़ दम पर झूमे दर्शक

स्वदेशी मेले में 135 कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां दीं

स्वदेशी मेला जैसे आयोजन से लोकल उत्पादों के देश ही नहीं विदेश में भी मार्केट बन सकते हैं : कपिल मलैया

मीडिया कवरेज

मेले को मिले लोगों के प्रतिसाद से हमारा भी उत्साह बढ़ा

स्वदेशी मेला: लोगों के उत्साह को देखते हुए एक दिन के लिए बढ़ाया, समापन आज होगा, प्रतियोगी सम्मानित

स्वदेशी मेले में राजस्थान के घूमर, उप्र के मयूर एवं हरियाणा के फाग नृत्य ने लोगों को लुभाया

मेला मनोरंजन के साथ स्वदेशी की भावना जागृत करने के लिए: सुनील देव

स्वदेशी मेले में उमड़ी भीड़, जयपुरी ज्वेलरी, बाम्बे के बैग व भारतीय व्यंजन आकर्षण का केंद्र बने

स्वदेशी स्वावलंबन से बनेगा पूर्ण रोजगार युक्त प्रदेश के साथ समृद्ध भारत: क्षेत्रीय संयोजक सुधीर दांते

यह मेला सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि देश प्रेम की भावना को जागृत करने का प्रयास है: सुनील देव

स्वदेशी मेला • जयपुरी ज्वेलरी, बॉम्बे के बैग व भारतीय व्यंजन आकर्षण का केंद्र बने

एक हाथ में माला व एक हाथ में भाला लेकर हिंदू संगठित हों: साध्वी सरस्वती

राजस्थान का घूमर नृत्य, उप्र का मयूर नृत्य एवं हरियाणा के फाग नृत्य ने लोगों को लुभाया

मीडिया कवरेज

बुंदेली लोक गायक अंकित पार्टे की प्रस्तुति - स्वदेशी स्वावलंबन से करोड़ा पूर्ण होंगा भारत

गौरा सांची बताओ भजन से गूंज उठा स्वदेशी मेला; बुंदेली व्यंजन भी चखा

11 दिवसीय स्वदेशी मेले में 6 राज्यों के 120 कलाकारों ने रंगारंग कला की प्रस्तुतियां दीं

मेले का उद्देश्य धन उपार्जन करना नहीं, बल्कि लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के प्रति जागरूक करना है : कपिल मलैया

जोड़ी कमाल की कार्यक्रम आयोजित

सागर @ पत्रिका. पीटीसी मैदान में 11 दिवसीय स्वदेशी मेला के दूसरे दिन सोमवार को ग्राहकों व दर्शकों की भीड़ रही। मेला प्रांगण में मशहूर कथावाचक साध्वी पालिका सारस्वती, आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज के छात्रों ने ऋषियों की भूमिका पर कार्यक्रम, वात्सल्य स्कूल द्वारा नशा मुक्ति ड्रामा, जय तिवारी द्वारा गायन, अखिल भारतीय महिला परिषद व विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में जोड़ी कमाल की कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जोड़ी कमाल की कार्यक्रम में 19 जोड़ियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान पर प्रतीक्षा जैन-सरिता जैन, द्वितीय स्थान पर मुक्ता जैन-सुलेखा जैन, तृतीय स्थान पर डॉ. प्रज्ञा सरिता-हिमांशी जैन, सुनीता पाठक और चतुर्थ स्थान पर ओजस्व पड़ेले, आदित्य पड़ेले रहे।

स्वदेशी मेला • भजन, सत्संग, लोकगायन, आर्केस्ट्रा, मेंहदी और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

हर स्टॉल पर देशी उत्पादों की खासियत जानकर सभी लोग स्वदेशी वस्तुएं अपनाएं, यही मेले का उद्देश्य: कपिल मलैया

मेला जैसे आयोजन से लोकल उत्पादों के देश ही नहीं विदेश में भी नए मार्केट बन सकते हैं: मलैया

स्वदेशी मेला का समापन : कवियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम, देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति

स्वदेशी मेला जैसे आयोजन से लोकल उत्पादों के नए मार्केट बन सकते हैं : मलैया

स्वदेशी मेले का समापन: सम्मान समारोह, गायन, कविता, कवियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम, देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति

सुदर्शन क्रिया से तनाव में कमी और मन शांत रहता है : कपिल मलैया

आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस प्रोग्राम शुरू

विचार समिति ने गणतंत्र दिवस पर 501 स्थानों पर किया झंडावंदन

समिति पिछले सात वर्षों से मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों के बीच लगातार करती आ रही है झंडावंदन : कपिल मलैया

सागर | विचार समिति ने 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विचार मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों में 501 स्थानों पर झंडावंदन किया। समिति घर-घर झंडावंदन की थीम पर पिछले सात वर्षों से यह आयोजन करती आ रही है। विचार समिति कार्यालय में प्रीति मलैया एवं समिति सदस्यों ने झंडावंदन किया।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने मोहल्ला विकास योजना टीम भाग्योदय में झंडावंदन किया। इस अवसर पर एकलव्य अनुशिक्षण संस्थान के छात्रों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि आज युवाओं को शिक्षा के साथ उद्यम, व्यवसाय के बारे में भी विचार करना चाहिए। आज हम गणतंत्र दिवस पर सभी संकल्प लें कि हम अपने आस-पास के युवाओं को आर्थिक जागरूकता के बारे में जागरूक करेंगे। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनील अरिहंत ने बताया कि कटरा बाजार स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार पर डॉ. आशा मोदी ने झंडावंदन किया। इस अवसर पर प्रदीप मलैया, मंजू मलैया, मुनेश, संध्या सर्राफ, ज्योति पाठक, आशा सेठ, पूजा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सेमरा बाग मोहल्ला विकास टीम समन्वयक मीरा पटेल के नेतृत्व में टीम पालक किरण मलैया ने झंडावंदन किया।

भूतेश्वर मोहल्ला विकास टीम समन्वयक सरिता गुरु के नेतृत्व में टीम पालक नितिन पटेरिया ने महावीरकर झंडावंदन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले बच्चों को भोजन माला, सौरभ ने सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रभात अग्निहोत्र, प्रभा साहू, मुस्कान जैन, श्याम साहू, नीतू साहू, विनीता केसरवानी, मनोरमा गौर, मनीष जैन आदि मौजूद रहे।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

ATMA
AN ACCELERATOR FOR EDUCATION

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation, one platform

Lyvefresh

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida-Meerut
Aim For Excellence

Dr. H.S. Gour University Sagar (M.P.)

THE ART OF LIVING

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI YouthFI, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar (M.P.)

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
Edu Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation

विचार समिति
(स्थापना वर्ष 2023)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर